

# असाधारण EXTRAORDINARY

PART II—Section 3—Sub-section (\*)

# प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

n 141

**नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 27, 1992/चैत्र 7, 1914** 

No. 141]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 27, 1992/CHAITRA 7, 1914

इ.स. भाग में भिन्न पृष्ठ तंत्र्या **वी जाती है जिससे कि यह अलग संका**ला के एन में रखा **वा सके** 

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

जल-भतल परिवहन मंत्रालय

(पन्तन पक्षा)

ग्र**िस्<del>य</del>ा** 

नई दिल्ली, 27 मार्च, 1993

मा. का. ति. 373(अ) :— केन्द्र मरकार, महा पत्नन न्यास छिध-निसम, 1963 (1963 का 38) की धारा ५32 की उपधारा (1) के साथ पटित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्न गिक्सियों का प्रयोग करते हुए, मुद्रास पत्तन न्यामी मंडल द्वारा बनाए गए और इस छिधसूचना के साथ मेलका ग्रनुसूची में मद्रास प्रत्मन न्यासी कर्मचारी (सेवा निवृत्ति के बाद नौकरी में ग्रामा) (पहुला संगोधन) विनियम, 1992 का श्रनु-मोदन करती है।

2: उक्क विनियम इस अधिमूचना की गरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तासिख को प्रकृत्त होंगे।

> [फा. सं, पी. ग्रार. च 12016/2/92- पी. ई. 1] ं ग्रगीक जोगी, संयक्त सचिव

मद्रास पीर्ट दुस्ट

मद्राम पोटं दूस्ट वर्मचारी (सेवा नियुन्ति के बाद रोजधार स्थीकार करूना) (पहला संगोधन) विनयम 1993

महा पत्तन न्यास अधिनिथम 1963 (1963 का 38) के धारी 28 के तहत प्रदत्त गरिनयों का प्रयोग करते हुए महाहू, पोर्ट ट्रस्ट मंडल निम्न-लिखित संगोधन अधिनियम बनाला है :--

लघुशीर्षः

इन विनियमो को मद्राम पोर्ट ट्रस्ट कर्मधारी (सेवा निवृह्ति के बाद रोजगार स्वीकार करना) (पहला संशोधन) विनियम 1992 कहा जाएगा।

- 2. मद्राम पोर्ट द्रस्ट कर्मचारी (सेवा निवृत्ति के बाद रोजगुर, स्वीकार करना) विनियम 1976 में निम्नलिखिन संबोधन किया जाएगा :---
  - (i) वर्तमान विनियम 4 के उप-विनियम (ई) को हटा विया
    जाएगा और विद्यमान उप-विनियम (एक) और (अपि) को ह
    कमशः (ई) और (एक) से अंकित किया जाएगा।
  - (ii) विद्यमान विनियम ६ को विनियम ८ पढ़ा जाएगा।

(iii) निम्नसिखित को विनियम 6 और 7 के रूप में जोड़ा जाएगा:

प्रतुमित की मंजुरी या ना मंजुरी को गर्ते:

किसी को स्वीकार करने वाले उस छधिकारी को विनिमय । या 5 के सहत अनुमति देने या न देने के संबंध में सक्षम प्राधिकारी निम्निलिखिल तथ्यों का ध्यान रखेगा ु---

- (1) नियोक्ता द्वारा लिए जाने वाले प्रस्तायित रोजगार की प्राप्ति और उसके पूर्ववृक्त ।
- (2) क्या उसके द्वारा स्वीकार किए गए रोजगार की प्रकृति से बोई के साथ उसका संघर्ष तो उल्पन्त नहीं हो सकता।
- (3) क्या वह अधिकारी जब सेवारत या उस समय वर्तमान नियंक्ता के साथ कोई सम्पर्क रखता था जिससे ऐसा संदेह हो कि अपनी सेवा के समय उस नियोक्ता को उसने कोई पक्षपात किया हो।
  - (4) क्या प्रस्तावित रोजगार पूर्णनः प्रतिष्ठित प्रकृति का है।

स्पष्टीकरण: बोर्ड के साथ मस्पर्क रखने नाले रोजगार पूर्णतः प्रित-फिटत प्रकृति के नहीं माने जाएगे। भ्रतुमिन प्रदान करने समय कर्म की प्रतिष्ठा को भी ध्यान में रखा जाएगा।, उवाहरणार्थ भ्रगर किसी कमें को सरकार द्वारा दोषी ठहराया गया है तो उसके द्वारा विए जाने बाले रोजगार को प्रतिष्ठित नहीं माना जाएगा।

- (5) क्या इसके कर्त्तच्या इस प्रकार के होंगे जिससे उसके पूर्व पव या ज्ञान या प्रनुभव जो बोर्ड के लिए उपयोग में लाया जा रहें। धा उन्हें धर्तमान नियोक्ता के उपयोग में लाएगा तो यह ध्रनुचित लाभ माना जाएगा।
- (6) प्रस्ताबित नियोक्ता द्वारा दी जाने वाली परिलब्धियों में महिगाई भसें की राणि और ग्रन्थ भक्ते शामिल हैं।
- (7) क्या ऐसी कोई अपवाद स्वरूप परिस्थितियां है जिनसे उसे नामंजुरी दी जा सके।
  - (8) प्रनय कोई संबंधित कारण।

### 7. भ्रपील

अगर किसी अधिकारी ने ऐसी अनुमति के लिए आवेदन किया है तो उसके आवेदन पर सक्षम प्राधिकारी ने किसी मर्त के साथ अनुमति प्रदान की है अथवा नामजूर कर दी है तो सक्षम प्राधिकारी उक्त आदेश मिलने के पश्चात वह अधिकारी लगायी गई ऐसी मर्त अथवा मना ही के खिलाफ बोई की अपना अभ्यायेदन देशा और बोई उस पर जैसा उदित समझे आदेश, जारी करेगा।

बुर्सन् प्रस्ताबित भादेश पर कारण बताते हुए उस अधिकारी को अध्यावैदन करने का मौका दिये वगैर ऐसी गतों को निरस्त करते हुए या बिना गतों के ऐसी अनुमति देते हुए आरोगों से इतर अन्य आरोग इस विनियमों के तहत नहीं बनाया जा सकता।

(4) निम्नलिखित को विनिमय 4 केस्प में जोड़ा जाए।

## 9. क्याख्या ैं।

इन विनियमों की क्यास्था के संबंध में धगर कोई प्रश्न उठना है तो उक्त विषय को बोर्ड के सम्मुख प्रस्तृत किया जाएगा तथा इस संबंध में क्षोई का निर्णय अंतिम माना जाएगा।

पाद टिप्पणी:

#### प्रधाम विनियम

केन्द्रीय सरकार के जल भूतल परिवहन मंत्रालय के पत्न सं. पी. ईएस-15/76 दिनांक 17-4-1976 द्वारा मद्रास पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी (सेवा निवृद्धि के उपरान्त रंजिगार स्वीकार करना) विनियम भ्रमुमोदिस किया गया।

संगोधित विनियम

केन्द्रीय मण्कार के जल भूतल परिवहन मंद्रालय की अधिसूचना मं, जी, एस, आर.  $216(\S)$  दिनांक 15-4-91 द्वारा अनुमोदित और भारत का राजपत, असाधारण भाग -11 खण्ड 3 उपखण्ड (i) में प्रकाणित मद्रास पोर्टट्रस्ट कर्मचारी (सेवा) निवृद्धित के उपरांत रोजगार स्वीकार करना) (संबोधन) नियम, 1991।

ह/- ए. बालराज, आई. ए. एस., भ्रध्यक्ष, मद्रास पोर्ट ट्रस्ट

# MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (Ports Wing) NOTIFICATION

New Delhi, the 27th March, 1993

G.S.R. 373(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124, read with sub-section (1) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Madras Port Trust Employees' (Acceptance of Employment after Retirement) (First Amendment) Regulations, 1992 made by the Board of Trustees for the Port of Madras 434 54 out in the Schedule annexed to this noilifica-

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the official Gazette.

[No. PR-12016|2|92-PE.I)
ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.

## MADRAS PORT TRUST

Madras Port Trust Employees' (Acceptance of Employment after Retirement) (First Amendment) Regulations, 1992.

In exercise of the powers conferred under Section 28 of the Major Port Trusts Act 1963 (38 of 1963), the Madras Port Trust Board hereby makes the following Amendment Regulations:—

- 1. Short title.—These regulations shall be called the Madras Port Trust Employee's (Acceptance of Employment after Retirement) (First Amendment) Regulations, 1992
- 2. In the Madras Port Trust Employee's (Acceptance of Employment after Retirement) Regulations, 1976, the following amendments shall be made:—
  - (i) The existing sub-regulation (e) of Regulation 4 shall be deleted and the existing sub-regulations (f) and (g) shall be renumbered as (e) and (f) respectively.
  - ii) The existing Regulation 6 shall be re-numbered as Regulation 8.
  - (iii) The following shall be inserted as Regulation 6 and 7:

- 6. Conditions for grant or refusal of permission: In granting or, refusing permission under regulation 4 or 5 to an officer for making up any employment, the competent authority shell have regard to the following factors, namely:—
  - The nature of employment proposed to be taken up and the antecedents of the employer;
  - (2) Whether his duties in the employment which he proposes to take up might be such as to bring him into conflict with the Board:
  - (3) Whether the Officer while in service had any such dealing with the employer under whole he proposes to seek employment as is might afford a reasonable basis for the suspicion that such Officer had shown favours to such employer;
  - (4) Whether the proposed employment is of a thoroughly reputable kind.
  - Explanation: Employment involking contract or liaison work with the Board will not be considered as employment of a thoroughly reputable kind. The reputation of of the firm, which offers employment will also be taken into account while granting permission. For instance, the fact that a firm is black-listed by Government will be one of the factors which will render the employment to be considered as not being of a reputable kind.
  - (5) Whether his duties will be such that his previous official position or knowledge or experience under the Board could be used to give the proposed employer an unfair advantage;
  - (6) the emoluments offered by the proposed employer and the quantum of Dearness Allowance and other allowances included in the emoluments; and
  - (7) Whether there are any exceptional circumstances, which would make the refusal of consent a real hardship.

- (8) Any other relevant factor.
- 7. Appeal:

When the competent authority grants the permission applied for, subject to any conditions or refuses such permission, the Officer, may within thirty days of the receipt of the order of the competent authority to that effect, make a representation to the Board against any such conditions or the refusal and the Board may make such orders thereon as it deems fit.

Provided that no order other than an order cancelling such condition or granting such permission without any conditions shall be made under this regulation without giving the officer making the representation an opportunity to show cause against the order proposed to be made.

- (iv) The following shall be included as Regulation 9:
  - 9. Interretation:

If any question arises relating to the interpretation of these regulations, the matter shall be referred to the Board whose decision thereon shall be final.

#### FOOT NOTE:

Purincipal Regulations:

Madras Port Trust Employee's (Acceptance of Employment After Retirement) Regulations, 1976, approved by the Central Government vide Ministry of Surface Transport's Jetter No. PEM-15/76 dated 17-4-76.

#### Amendment Regulations

Madras Port Trust Employees' (Acceptance of Employment after Retirement) (Amendment) Regulations, 1991 approved by the Central Government vide Ministry of Surface Transport's Notification No. GSR 216(E) dated 15-4-91 published in Part II Section 3 Sub-section (i) of the Gazette of India Extraordinary dated 15-4-91.

A. BALRAJ, I.A.S., Chairman, Madras Port Trust.